न्यायालय अति.जिला कलक्टर, भीलवाड़ा

पीठासीन अधिकारी रतन कुमार (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या : 59/2023 आवन्टन निरस्त

1. राज्य सरकार जरिये तहसीलदार बिजौलिया जिला भीलवाडा	**बनाम**	1. शांति पत्नी भंवरलाल एवं सम्पति पत्नी भंवरलाल हरिजन निवासी तिलस्वां तहसील बिजौलिया
–प्रार्थी		–विपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत राजस्थान भू आवंटन नियम 1970 के नियम 14(4)

उपस्थित –

1. राजकीय अधिवक्ता – प्रार्थी की ओर से

निर्णय

दिनांक 19.03.2024

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत कृषि प्रयोजनार्थ भू–आवंटन नियम 1970 के नियम 14(4) विरूद्व विपक्षी के प्रेषित कर निवेदन किया कि विपक्षी को ग्राम तिलस्वां की आ.न. 917/391 रकबा 0.4856 हैक्ट. भूमि का आवंटन कमेटी द्वारा आवंटन की गयी। आवंटी के नाम गैर खातेदारी दर्ज रेकार्ड है। आवंटी (अप्रार्थी) द्वारा आवंटन शर्तो की पालना नहीं कर उल्लंघना की है। आवंटित भूमि पर आवंटी का मौके पर कब्जा व काश्त नहीं है। अतः अप्रार्थी के पक्ष में किया गया आवंटन निरस्त किया जाकर बिलानाम सरकार दर्ज किये जाने का आदेश फरमावें।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र न्यायालय दायर किया जाकर विपक्षी को नोटिस जारी किये गये। विपक्षी के सम्मन नोटिस में विपक्षी शांति फोत होना दर्शाया गया एवं विपक्षी सम्पति ग्राम माण्डलगढ में रहना बताया गया।

अतः प्रार्थी के प्रार्थना पत्र पर उपलब्ध तथ्यों एवं दस्तावेजों का भलीभांति परीक्षण किया गया। जिसके उपरान्त पाया कि विपक्षी के सम्मन नोटिस में विपक्षी शांति की मृत्यु होना अंकित किया है एवं विपक्षी सम्पति ग्राम माण्डलगढ में रहना बताया गया। तहसीलदार बिजौलिया द्वारा कायम मुकाम रिपोर्ट मय सम्मन एवं सही सकुनत भी पेश

अति. जिला कलक्टर
भीलवाड़ा

नही किये गये। जबकि प्रार्थी का उक्त प्रार्थना पत्र न्यायालय में दिनांक 08.09.2023 से ही पंजीबद्ध चला आ रहा है। प्रार्थी ने संशोधित प्रार्थना पत्र भी प्रस्तुत नहीं किया हैं। प्रकरण में काफी समय व्यतीत होने पर भी प्रार्थी ने विधिवत प्रकियां नही अपनायी है। प्रार्थी तहसीलदार बिजौलिया ने मृतक के विरूद्व 14(4) का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। इस प्रकार प्रार्थी तहसीलदार बिजौलिया ने मृतक व्यक्ति के विरूद्व प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 14(4) प्रस्तुत किया है, जो नियम विरूद्व होने से प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 14(4) खारिज किया जाता हैं। तहसीलदार बिजौलिया मृतक के वारिसान की जांच कर एवं सही सकूनत की जांच कर, पूर्ण दस्तावेज सहित प्रकरण नये सिरे से न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु स्वतंत्र हैं।

निर्णय आज दिनांक 19.03.2024 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बाद हस्ताक्षर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

न्यायालय अति. जिला कलक्टर भीलवाड़ा (राज.)

(रतन कुमार)
अति.जिला कलक्टर
भीलवाड़ा